



१८
१८

भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 246]

नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, असाधा 16, 1981/आषाढ़ 25, 1903

No. 246] NEW DELHI, THURSDAY, JULY 16, 1981/ASADHA 25, 1903

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह असर अंकाशन के रूप में
रखा जा सके

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate
compilation

उद्घोग मंत्रालय

(वस्त्र विभाग)

वैधिकता

नई दिल्ली, 16 जूलाई, 1981

सा. अ. नि. 439 (अ).—केन्द्रीय सरकार, जूट कम्पनी (राष्ट्रीयकरण) अधिनियम, 1980 (1980 का 62) की धारा 32 की उपधारा (1) और उपधारा (2) के खण्ड (स) द्वारा प्रदत्त अधिकारियों को प्रयोग करते हुए, निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात्—

2. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ—(1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम जूट कम्पनी (राष्ट्रीयकरण) नियम-प्रशासन नियम, 1981 है।

(2) वे राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवर्त्त होंगे।
3. अधिकारी—इन नियमों में जब तक कि संदर्भ में कम्पनी अर्थात् न हो, —

(क) "अधिनियम" से जूट कम्पनी (राष्ट्रीयकरण) अधिनियम, 1980 (1980 का 62) अधिकृत है;

(ख) "भविष्य नियम" से मैसर्स एलेगेन्डर जूट मिल्स लिमिटेड, यूनियन जूट कम्पनी लिमिटेड, सरदार कम्पनी लिमिटेड, दी किनिसन जूट मिल्स कम्पनी लिमिटेड और आर. बी. एच. एम. मिल्स प्राइवेट लिमिटेड, द्वारा अपने स्वामित्वाधीन उपक्रमों में से किसी में नियोजित व्यक्तियों के फायदे के लिए स्थापित भविष्य नियम अधिकृत है;

(ग) उन व्यक्तियों और पदों के जो इन नियमों में प्रदर्शित हैं किन्तु परिभाषित नहीं हैं, वही अर्थ होंगे जो उनके अधिनियम में हैं।

4. भविष्य नियम का प्रशासन : ऐसे कर्मचारियों से जिनकी मेवाएं अधिनियम के द्वारा या उसके अधीन, यथास्थिति, केन्द्रीय सरकार को या विद्यमान सरकारी कम्पनी या नई सरकारी कम्पनी को अन्तरित हो गई हैं, संबंधित भविष्य नियम में जमा धन के बारे में नियत दिन से ही और ऐसे समय तक जब तक उनके प्रशासन या व्ययन या दोनों के लिए "कानून-कसियत पद्धतियों नहीं बना दी जाती हैं" यथास्थिति केन्द्रीय सरकार द्वारा या विद्यमान सरकारी कम्पनी द्वारा या नई सरकारी कम्पनी द्वारा नियत दिन के ठीक पूर्व भविष्य नियम और उसके प्रशासन को लागू नियमों, विनियमों और उन विधियों के या

उसको शासित करने वाली किसी विधि के, उपबन्धों के अनुसार ऐसे उपान्तरणों सहित जो उक्त नियमों, विनियमों और उपविधियों में समूचित प्राधिकारी द्वारा किए जाएं, कार्यवाही की जाएगी।

[फा. स. 29 (2)/81-जूट]
ए के. मुख्यमंत्री, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF COMMERCE

(Department of Textiles)

NOTIFICATION

New Delhi, the 16th July, 1981

G.S.R. 439(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) and clause (b) of sub-section (2), of section 32 of the Jute Companies (Nationalisation) Act, 1980 (62 of 1980), the Central Government hereby makes the following rules, namely:—

2. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the Jute Companies (Nationalisation) Administration of Funds Rules, 1981.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

3. Definitions.—In these rules, unless the context otherwise requires,—

- (a) "Act" means the Jute Companies (Nationalisation) Act, 1980 (62 of 1980);
- (b) "Provident Fund" means the Provident Fund established by Messrs. Alexandra Jute Mills Ltd., Union Jute Company Ltd., Khardah Company Ltd., The Kinnison Jute Mills Company Ltd., and R.B.H.M. Jute Mills Private Ltd. for the benefit of persons employed in any of the undertakings owned by them;
- (c) words and expressions used in these rules but not defined shall have the same meanings as assigned to them in the Act.

4. Administration of Provident Fund.—The modes standing to the credit of the provident Fund relatable to the employees whose services stand transferred by or under the Act to the Central Government or the existing Government company or the new Government company, as the case may be, shall, on and from the appointed day and till such time as alternative modes of their administration or disposition or both are formulated, be dealt with by the Central Government or the existing Government company or the new Government company, as the case may be, in accordance with the provisions of the rules, regulations and bye-laws applicable to, or of any law governing the Provident Fund and its administration immediately before the appointed day, with such modifications as may be carried out in the said rules, regulation, and bye-laws by the appropriate authority.

[F. No. 29(2)/81-Jute]
A. K. MUKHERJEE, Jt. Secy.